डॉ. कीर्ति वर्मा

अनुसूचित जातियों

के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक विकास में शासकीय योजनाओं का योगदान

Copyright © Author

All rights reserved. Without limiting the rights under copyright above, no part of this publication may be reproduced, utilized, stored in or introduced into a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means (electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise), without the prior written permission of both the copyright owner and the publisher.

The views expressed in this volume are those of the author(s) and are not necessarily those of the publisher.

First Published 2019

ISBN : 978-93-84081-92-8

Price: Rs. 960.00

Printed at Replika Press Pvt. Ltd.

Writers Choice

B-258, Rama Park Road
Mohan Garden
New Delhi -110059
Email: info@writerschoice.in
Web: www.writerschoice.in

विषय सूची

भूमिका		v
आभार		vii
1	प्रस्तावना	1
2	संबंधित साहित्यः एक पुनरावलोकन	41
3	अध्ययन पद्धतियाँ एवं प्रविधियाँ	62
4	अनुसूचित जातियों की सामाजिक पृष्ठभूमि	113
5	अनुसूचित जातियों की आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं मनोवैज्ञानिक स्थिति	130
6	विभिन्न शासकीय कल्याणकारी योजनाओं का अनुसूचित जातियों के परिवारों पर प्रभाव	161
7	कल्याणकारी योजनाओं से अनुसूचित जातियों के परिवारों की परिवर्तनशीलताः एक वैयक्तिक अध्ययन	189
8	समस्याएं एवं सुझाव	204
संदर्भ-ग्रंथ सूची		224

अनुसूचित जातियों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक विकास में शासकीय योजनाओं का योगदान

Published by

Writers Choice
New Delhi

अनुसूचित जातियों

के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक विकास में शासकीय योजनाओं का योगदान

स्वतंत्र भारत के स्वायत्त संविधान में भारत को "लोकतांत्रिक गणराज्य" के रूप में स्वीकार किया गया और 'धर्म-निरपेक्ष', 'समाजवादी समाज' की स्थापना और 'सामाजिक-न्याय' के प्रसार का लक्ष्य रखा गया। सामाजिक-न्याय 'स्वतंत्रता' 'समानता' एवं 'बातृत्व' पर आधारित धारणा है। स्वतंत्रता एवं समानता की स्थापना कर भारत को एक समाजवादी राष्ट्र के रूप में स्थापित किया जाय, इसके मार्ग में सदियों से जातिगत-असमानता और जातीय विशेषाधिकार एवं निर्योग्यता से उत्पन्न सामाजिक-आर्थिक जीवन की गहरी खाई रुकावट रही है। इस खाई को पाटने के लिए संविधान में विभिन्न प्रावधानों की व्यवस्था की गयी है। अनुसूचित जातियों के सामाजिक-आर्थिक जीवन को प्रगतिशील बनाने के लिए सरकार अनेक कार्यक्रम संचालित करती है।

प्रस्तुत पुस्तक में अनुसूचित जातियों के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक विकास में शासकीय योजनाओं के योगदान का अध्ययन किया गया है। सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के विभिन्न पक्षों की स्थिति को समझने के पश्चात, इसमें अनुसूचित जातियों के परिवारों के सदस्यों की मानसिकता एवं अभिरुचियों का अध्ययन भी किया गया है। पुस्तक में अनुसूचित जातियों की कल्याणकारी योजनाओं में नेतृत्व की भूमिका, अनुसूचित जातियों के नेतृत्व को अभिप्रेरित करने वाले कारकों, अनुसूचित जातियों में राजनैतिक जागरूकता और अनुसूचित जातियों के राजनैतिक प्रतिनिधित्व का मूल्यांकन किया गया है। अंत में, अनुसूचित जातियों के विकास में राजनैतिक आरक्षण के योगदान की समीक्षा भी की गयी है।

डॉ. कीर्ति वर्मा वर्तमान में सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वायत्त) महाविद्यालय, भोपाल में गेस्ट फेकल्टी के रूप में कार्यरत हैं। वर्ष 2006 में विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन से समाजशास्त्र में एम.ए. करने के पश्चात, आपने वर्ष 2010 में एम.एस.डब्ल्यू. तथा वर्ष 2015 में पी-एच.डी. की उपाधि अर्जित की। वर्ष 2003 से 2007 तक आप स्वास्तिक हेल्थ एण्ड एज्युकेशन सोसायटी से जुडी रहीं और स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य किया। आपके विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय शोध-पत्रिकाओं में अनेक शोध-पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। आप राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में सहभागिता एवं प्रस्तुतीकरण भी कर चुकी हैं।

Writers Choice

B-258, Rama Park Road,
Mohan Garden, New Delhi-110059
Website: writerschoice.in
E-mail: info@writerschoice.in

ISBN: 978-93-84081-92-8

₹960.00